केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्यत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 326 गुरूवार 20 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हत्या मामले में पत्नी ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत (बस्ती)। छावनी थाना क्षेत्र के देवकली रानी गांव में बीते 28 मई को मनोरमा नदी के किनारे मिली 40 वर्षीय मनीष पाण्डेय की तैरती लाश के मामले में सूरत से लौटी मनीष की पत्नी ने पुलिस को तहरीर देकर पति की हत्या का आरोप लगाते हुये मामले में खुलासे के लिये लगातार थाने पर चक्कर लगा रही है। पीड़िता का कहना है कि मौत से पहले उसका पति मनीष अपने घर से दो दिन से लापता था और उसके समान सब घर पर थे।

बता दें कि बीते 28 मई को नदी किनारे भगवानपुर गांव के पास लाश की सूचना पर पहुंची छावनी पुलिस ने पहचान के बाद प्रारम्भिक छानबीन और परिजनो की तहरीर पर शव को पीएम हेतु भेजा। बाद में परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पति के मौत की सूचना पर सूरत से अपने ससुराल पहुंची मृतक मनीष की पत्नी विनीता पाण्डेय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सूरत शहर में पति के साथ रहती थी।उनके 10 साल का पुत्र व चार साल की एक पुत्री है। घर पर खेती किसानी का काम होने के कारण पति मनीष हत्या के 20 दिन पहले गाँव आये थे। यहाँ उनकी हत्या हो गयी लेकिन उन्हे किसी ने नही बताया और उनके शव का भी अंतिम संस्कार कर दिया गया है। जिसपर छावनी पुलिस का कहना था कि मामले में मुकदमा दर्ज है और जांच पड़ताल की जा रही है।

पीड़िता का कहना है कि जब वह गांव पहुंची तब गांव वालों ने बताया कि तुम्हारे पति के शरीर पर किसी ध गारदार हथियार से हमला किया गया है । जिसके चोट के निशान शरीर पर व सिर फट गया था।बताया कि जब से घर आई है बार–बार थाना छावनी का चक्कर लगा रही है किंतु छावनी पुलिस घटना का खुलासा करने में आनाकानी कर रही है और हत्या को आत्महत्या बताकर अपना पल्ला झाड़ रही है । जबकि पीड़िता के पति की निर्मम हत्या की गई और लाश नदी में फेंका गया है । कहना है कि पति का जूता चप्पल घर पर ही है और लाश दो किलोमीटर दूर नदी पर मिली। न्यायहित में जांच करा कर दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही कराया जाना आवश्यक है।मामले में छावनी पुलिस की हीला हवाली को लेकर मनीष की पत्नी विनीता ने पुलिस अधीक्षक बस्ती से न्याय की गुहार लगाते हुये घटना की विवेचना अन्य थाने से कराने व मामले में खुलासे की मांग की है । इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि इस संबंध में परिजनों के मांग पर पीएम कराया गया था।जिसमे खुदकुशी की बात सामने आयी थी।हाल में मिले शिकायत पत्र पर विधिक कार्यवाही कर उच्चाधिकारियों को अवगत कि गयी है।

विद्युत बकाया वसूली के लिये अभियान चलाने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने राजस्व प्रशासन से संबंधित अधिकारियों को शतप्रतिशत विविध देय राजस्व प्राप्ति के लिए विभाग अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करें निर्देशित किया है। उन्होने नियमित रूप से आरसी का मिलान करने का भी निर्देश दिया है। उन्होने आबकारी विभाग को निर्देशित किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही ब्रिकी हो तथा ओवरस्टेटिंग ना हों। उन्होने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि प्रवर्तन कार्य में तेजी लाये तथा अभियान चलाकर ओवरलोडिंग वाहनों पर कार्यवाही करें। उन्होने विद्युत चोरी रोकने के लिए संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि लाईनलास वाले फीडर चिन्हित किये गये तथा अभियान चलाकर कार्यवाही किया जाय।

मण्डलायुक्त ने विविध देयों के अन्तर्गत राजस्व कर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, विद्युत, खनन, मण्डी परिसद सहित अन्य विभागों की राजस्व प्राप्ति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया है। बैठक का संचालन अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय ने किया। इसमें जिलाधिकारी बस्ती अंद्रा वामसी, संतकबीर नगर के महेन्द्र सिंह तवंर एवं सिद्धार्थनगर के पवन अग्रवाल, एडीएम कमलेश चन्द्र, सिद्धार्थनगर के उमाशंकर, एआरटीओ पंकज कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं: नालन्दा एक गौरव गाथा

–पीएम मोदी ने किया नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन

पटना (आमा)। बिहार के नालंदा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिनों में ही नालंदा आने का अवसर मिला है। यह मेरा सौभाग्य तो है ही, मैं इसे भारत की विकास यात्रा के एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। उन्होंने कहा कि नालंदा केवल एक नाम नहीं है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा इस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं।

पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के कुछ ही दिनों बाद नालंदा आने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। यह स्वर्णिम युग की शुरुआत है। हम सभी जानते हैं कि नालंदा कभी भारत की परंपरा और पहचान का जीवंत केंद्र हुआ करता था। शिक्षा को लेकर यही भारत की सोच रही है। शिक्षा ही हमें गढ़ती है, विचार देती है और उसे आकार देती है। प्राचीन नालंदा में बच्चों का प्रवेश उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देख कर नहीं होता था। हर देश हर वर्ग के युवा यहां पर हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए परिसर में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से आधुनिक रूप में मजबूती देनी है और मुझे ये देख कर खुशी है कि दुनिया के कई देशों से आज यहां कई विद्यार्थी आने लगे हैं। अपने प्राचीन अवशेषों के पास नालंदा का नवजागरण, ये नया कैंपस विश्व को भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा।

नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नालंदा बताएगा जो राष्ट्र, मजबूत मानवीय मूल्यों पर खड़े होते हैं, वे राष्ट्र इतिहास को पुनर्जीवित करके बेहतर भविष्य की नींव रखना जानते हैं। नालंदा केवल भारत के ही अतीत का पुनर्जागरण नहीं है। इसमें विश्व के, एशिया के कितने ही देशों की विरासत जुड़ी हुई है। नालंदा यूनिवर्सिटी के पुनर्निर्माण में हमारे साथी देशों की भागीदारी भी रही है। मैं इस अवसर पर भारत के सभी मित्र देशों का अभिनंदन करता हूं।

नालंदा विश्वविद्यालय कैंपस के लोकार्पण पर पीएम मोदी ने 19 जून को कहा कि प्राचीन नालंदा में बच्चों का नामांकन उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देखकर नहीं होता था। हर देश, हर वर्ग के युवा यहां आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए कैंपस में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से मजबूती देनी है। दुनिया के कई देशों से यहां विद्यार्थी आने लगे हैं। यहां नालंदा में 20 से ज्यादा देशों के विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। ये वसुधैव कुटुंबकम की भावना का कितना सुंदर प्रतीक है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। आज भारत में योग की सैकड़ों विधाएं मौजूद हैं। हमारे ऋषियों ने कितना गहन शोध इसके लिए किया होगा! लेकिन किसी ने योग पर एकाधिकार नहीं बनाया। आज पूरा विश्व योग को अपना रहा है, योग दिवस एक वैश्विक उत्सव बन गया है। मोदी ने कहा कि भारत ने सदियों तक सस्टेनेबिलिटी (वहनीयता) को एक मॉडल के रूप में जीकर दिखाया है। ग्लोबल लांच ऑफ मिशन लाइफ के तहत हम प्रगति और पर्यावरण को एक साथ लेकर चले हैं। अपने उन्हीं अनुभवों के आधार पर भारत ने विश्व को मिशन लाइफ जैसा मानवीय विजन दिया है। मेरा मिशन है कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा और ज्ञान का केंद्र बनें। भारत की पहचान फिर से दुनिया के सबसे प्रोमिनेंट नॉलेज सेंटर (प्रमुख ज्ञान केंद्र) के रूप में हो। हमारा प्रयास है कि भारत में दुनिया का सबसे विस्तृत और संपूर्ण कोशल प्रणाली हो।

उल्लास के साथ मनाया गया शिव सेना का 58 वां स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शिव सेना का 58 वां स्थापना दिवस बुधवार को जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय के संयोजन में बस्ती सुगर मिल के परिसर में उल्लास के साथ मनाया गया। प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि बाला साहेब ठाकरे ने 19 जून 1966 को शिवसेना की नींव रखी थी। अब यह दल महाराष्ट्र के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय होने के साथ ही लोगों के हितों के लिये संघर्षरत है। आम आदमी के अधिकारों की रक्षा बाला साहब ठाकरे का मुख्य ध्येय था, पार्टी उसी दिशा में आगे बढ रही है। कहा कि लोकसभा के चुनाव में जिस विषम परिस्थिति में मतदाताओं का समर्थन उद्धव ठाकरे के नेतत्व में शिवसेना को मिला इससे तय है कि धोखा देने वालों को महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में मुंहकी खानी होगी। शिव सैनिकों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवेश शुक्ल, बलराम प्रजापति, अनिल कुमार, अभिषेक, इन्द्रपाल प्रजापति, विजय गुप्ता, विकास चौधरी, चंद्रावती, मालती देवी, फूलमती, गीता देवी, मंजू देवी, प्रभावती, लक्ष्मी आदि शामिल रहे।

भीषण जानलेवा गर्मी में पौधों की सुरक्षा के लिये गौहर अली ने चलाया अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भीषण जानलेवा गर्मी में पौधे और वृक्ष सूखने न पाये इस उद्देश्य से सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली के संयोजन में जिलाधिकारी कार्यालय के परिसर के निकट सदर तहसील, रजिस्ट्री दफ्तर, मुख्तार खाना के पास लगाये गये पौधे की कटाई छटाई निराई गोडाई, सिंचाई किया गया। जो ट्री गार्ड/गाड़ी के द्वारा टेढ़ी हो गई थी, उनको भी सीधा किया गया। पौधरोपण अभियान चलाने वाले गौहर अली ने कहा कि हम लोग पौधा लगाकर भूल नहीं जाते है। बल्कि इनका हमेशा देखभाल करते रहते हैं जिससे वह लोगों के काम आ सके, पौधों के द्वारा ही हमें ऑक्सीजन, छाया और और लकड़ी मिलती है। हम लोगों इस मानसून में प्रत्येक परिवार को कम से कम 2 पौधा तो जरूर ही लगाना चाहिए। तभी हम आने वाले पीढ़ियों को स्वस्थ रख पाएंगे। लगाए हुए पौधे आपको हमेशा ऑक्सीजन लकड़ी फल और छाया देते रहेंगे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से गौहर अली ने कहा कि समूचा देश विशेषकर उत्तर भारत भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। लू से अनेक लोगों की मौत हो गई है। पशु, पक्षी तक बेहाल हैं। विकास और सड़क निर्माण के नाम पर आये दिन हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं। जल, जमीन और जंगल खतरे में हैं। ऐसी परिस्थिति में सघन पौधरोपण और उनकी सुरक्षा से ही हम धरती पर जीवन को बचा सकेंगे।

पौधों की कटाई, छटाई निराई गुड़ाई में गौहर अली के साथ अखिलेश राहुल, शरद पाण्डेय आदि ने योगदान दिया।

विकास कार्यों में लापरवाही क्षम्य नही–मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शासन के प्राथमिकताओं के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नही होंगी। मण्डलीय अधिकारी विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने मण्डलीय विकास कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये है। उन्होने जनता दर्शन, आईजीआरएस में प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी, सिद्धार्थनगर के पवन अग्रवाल, संतकबीर नगर के महेन्द्र सिंह तवर उपस्थित रहें।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए चिकित्सको की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त किया। मण्डल में आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष आयुष्मान कार्ड बनाया जाय। आयुष्मान कार्ड बनाने में किसी भी पात्र लाभार्थी को कोई परेशानी ना हों। उन्होने डोर–टू–डोर सर्वे कराते हुए पात्र व्यक्तियो का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का निर्देश संबंधित को दिया है। दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अगर कोई दवा उपलब्ध ना हो तो उसकी सूचना शासन को भी प्रेषित की जाय, जिससे समस्याओं का निकारकरण शीघ्रातिशीघ्र किया जा सकें। उन्होने हास्पिटलों में अग्निशमन सुरक्षा सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश भी संबंधित को दिया है और कहा कि समय–समय पर निरीक्षण भी किया जाय।

उन्होने संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा, टीकाकरण, ड्रग वेयर हाउस, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर, टेलीमेडिसीन, शादी अनुदान, विधवा पेंशन, कन्या सुमंगला योजना, आपरेशन कायाकल्प आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। उन्होने कृषि विभाग द्वारा संचालित किसान सम्मान निधि, कृषि सोलर पम्प आपूर्ति, फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सोलर पम्प के लिए किसानों का आवेदन कराया जाय, जिससे लाभार्थियों को सोलर पम्प की आपूर्ति का लाभ मिल सकें। उन्होने किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि केवाईसी का कार्य समय से पूर्ण किया जाय, जिससे किसानों को समय से उनका भुगतान खाते में मिल सकें।

गोवंश की समीक्षा करते हुए उन्होने संबंधित को निर्देश दिया कि एसडीएम और बीडीओ भी सप्ताह में गौआश्रय केन्द्रों का निरीक्षण करें। उन्होने इन अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों से समन्वय स्थापित करते हुए हरा चारा, भूसा एवं भरपूर मात्र में ठण्डा पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होने अमृत सरोवर के किनारे, विद्यालय परिसर सहित अन्य विभागों से अपील किया है कि वृहद रूप में पौधरोपण करें। पौधों की प्राप्ति वन विभाग से की जा सकती है।

बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त आत्म प्रकाश बाजपेयी ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, जेयंद्र कुमार, संत कुमार, अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय, संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चंद्र तिवारी, संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धक अशोक कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग हरीश प्रताप सिंह, संयुक्त निदेशक प्रशिक्षण, व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास विभाग पुरुषोत्तम मिश्रा, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दुबे, डा. डी.के. चौधरी, डा. रामानुज कुमार, मुख्य अभियन्ता पीडब्ल्यूडी संजय कुमार श्रीवास्तव, विद्युत के एस.के. सरोज, अधीक्षण अभियन्ता पीडब्ल्यूडी राजेश कुमार, तीनों जिलों के अधीक्षण अभियन्ता विद्युत रामबुझारत, संजय कुमार, रमेश सिंह तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

अकबरनगर में ढहा दिए गए 1320 अवैध निर्माण: धार्मिक स्थल भी ध्वस्त

लखनऊ (आमा)। कुकरैल नदी की जमीन पर अवैध रूप से किए गए निर्माणों को एलडीए, नगर निगम और प्रशासन की टीमों ने जमींदोज कर दिया है और अब मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। इस दौरान अफसरों की टीम मुस्तैद रही। अकबर नगर प्रथम में कुछ धार्मिक स्थल भी थे, जिन्हें देर रात ध्वस्त कर दिया गया। मंगलवार को 171 मकान तोड़े गए। इस दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी मुस्तैद रहे।

एलडीए के उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि अकबर नगर में सभी अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए हैं। अब मलबा हटाया जा रहा है। अकबर नगर प्रथम एवं द्वितीय में सभी 1320 अवैध निर्माण ढहा दिए गए हैं। इस दौरान कहीं कोई विवाद नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि धार्मिक स्थलों को स्थानीय लोगों की सहमति से ढहाया गया है। इससे पहले मंदिरों में स्थापित देवी देवताओं को दूसरे मंदिर में स्थापित किया गया था। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 में सबसे पहले भीखमपुर में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई थी। इस दौरान 48 मकानों पर बुलडोजर चला था। इसके बाद अकबरनगर में लोगों को मकान खाली करने का नोटिस दिया गया।

अवैध कब्जेदारों ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की शरण ली, उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी। कोर्ट के आदेश के बाद 10 जून से अकबरनगर द्वितीय में अवैध कब्जा हटाना शुरू हुआ था। मंगलवार को 15 बड़ी पोकलेन मशीन, 12 जेसीबी, 15 वाटर टैंकर की मदद से ध्वस्तीकरण हुआ। एलडीए के उपाध्यक्ष ने बताया कि अकबर नगर के 1898 अध्यासियों को प्रधानमंत्री आवास आवंटित किए गए हैं। सभी लोगों को आवंटन पत्र भी दिया जा चुका है।

मरीजों को मंहगी जांच का डोज

लखनऊ (आमा)। केजीएमयू में मरीजों को एक बार फिर महंगी जांचों का डोज दिया गया है। विवि में बिना टेंडर पीपीपी मॉडल पर दस साल से जांच करने वाली फर्म का ठेका 10 सालों के लिए बढ़ा दिया गया। इसके लिए न तो कोई टेंडर निकाला गया और न ही जांच दरों का परीक्षण किया गया। केजीएमयू एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां करीब साढ़े चार हजार बेड पर भर्ती की व्यवस्था है। रोजाना छह से आठ हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। इस तरह रोजाना करीब पांच हजार मरीजों की खून संबंधी जांच करनी होती है। केजीएमयू के पास खुद की काफी मशीनें हैं। इसके बावजूद वर्ष 2015 में मशीन और बजट की कमी बताते हुए निजी फर्म को पीपीपी मॉडल पर जांच के लिए नियुक्त किया गया।

न्यायालय के आदेश पर सवेतन बहाल हुए शिक्षक उदय प्रताप सिंह

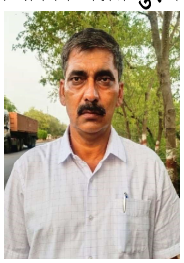

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय रेवरादास पर कार्यरत शिक्षक उदय प्रताप सिंह को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में पद और वेतन सहित बहाल कर दिया है। 30 दिसंबर 2022 को मृतक आश्रित नियमावली के प्रावधानों के विपरीत नियुक्ति मामले में उदय प्रताप सिंह को बर्खास्त कर दिया गया था। बर्खास्तगी के बाद उदय प्रताप सिंह ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपील दायर किया जिसमें न्यायालय ने बीएसए बस्ती के आदेश को रद्द करते हुए सवेतन बहाली का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ बीएसए द्वारा सचिव बेसिक शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार स्पेशल अपील दायर किया गया जिसको रद्द करते हुए न्यायालय ने सिंगल बेंच के फैसले को सही माना। फिर पुनः विभाग द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील को भी सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द करते हुए उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। बीएसए बस्ती द्वारा शिक्षक उदय प्रताप सिंह की बहाली को लेकर सचिव बेसिक शिक्षा परिषद से मार्गदर्शन मांगा गया जिसके क्रम में गत 14 जून 2024 को सचिव ने उच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन करने हेतु बीएसए को निर्देशित किया था। जिसके फलस्वरुप बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने सचिव बेसिक शिक्षा परिषद के निर्देश के क्रम में शिक्षक उदय प्रताप सिंह को पद और वेतन सहित बहाल कर दिया है।

योग प्रोटोकाल का पूर्वाभ्यास: दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला सशक्तिकरण के लिए योग की थीम को केन्द्र में रखते हुए भारत स्वाभिमान,पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति और इंडियन योग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में डा नवीन सिंह, डा प्रवेश कुमार और गरुण ध्वज पाण्डेय द्वारा शिवहर्ष किसान पीजी कालेज बस्ती में योग प्रोटोकाल का पूर्वाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर हल्की बारिश ने शिक्षकों और साधकों के जोश को बढ़ा दिया। इस अवसर पर डॉक्टर नवीन सिंह संयुक्त सचिव इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने योगाभ्यास के लिए दिशा निर्देश देते हुए बताया कि योग का अभ्यास खाली पेट करना चाहिए। थकावट, बीमारी, जल्दबाजी एवं तनाव की स्थिति में योग नहीं करना चाहिए। यदि पुराने रोग, पीड़ा एवं हृदय संबंधी समस्याएं हो तो ऐसी स्थिति में योगाभ्यास शुरू करने के लिए अपने चिकित्सक अथवा योग विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लेना चाहिए।

डा प्रवेश कुमार संरक्षक पतंजलि योग समिति बस्ती ने बताया कि योगाभ्यास आरामदायक स्थिति में शरीर एवं स्वास्थ्य की सजगता के साथ धीरे–धीरे प्रारंभ करना चाहिए। सांस हमेशा नाक से ही लेनी चाहिए और अपने समर्थ के अनुसार ही योगाभ्यास करें। रश्मि गुप्ता महामंत्री महिला पतंजलि योग समिति ने बताया कि योग हमें अवसाद, थकान, चिंता संबंधी विकार और तनाव को कम करने में सहायक होता है। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमे भोगी और रोगी नहीं बल्कि योगी बनना है। इस अवसर पर गरुण ध्वज पाण्डेय द्वारा योग साधकों को सूक्ष्म व्यायाम के साथ मकरासन, भुजंगासन, सेतुबंध आसन, हलासन करातें हुए कपालभाति, अनुलोम विलोम, शीतली और भ्रामरी प्राणायाम और ध्यान के साथ समापन किया। इस अवसर पर डा शिवेंद्र मोहन पाण्डेय, योग शिक्षक बी पी आनन्द, नवल किशोर चौधरी, चंद्र प्रकाश चौधरी, मनीष त्रिपाठी, आशुतोष कुमार, पीके श्रीवास्तव, संदीप भट्ट, संतोष पाण्डेय, बबली शर्मा, पुष्पा सिंह, रजनी मिश्रा, जागृति मिश्र, हिमांशु यादव, रत्नेश मिश्र,प्रवीण त्रिपाठी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने मनाया राहुल गांधी का जन्म दिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस नेताओं ने रायबरेली के सांसद व पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पार्टी दफ्तर पर पहुंचे, पौधरोपण किया, तदुपरान्त बनकटा स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर फल व मिठाइयां बांटा। जिलाध्यक्ष ने कहा राहुल गांधी से पूरा देश आशान्वित है।

2024 के जनादेश ने स्पष्ट कर दिया है कि राहुल गांधी जननायक के रूप में स्थापित हो चुके हैं और कभी भी भारत के प्रधानमंत्री हो सकते हैं। उन्होंने दिशाहीन हो चुकी हुई देश राजनीति को मन की बात से मुद्दों की बात पर लाकर केन्द्रित कर दिया। राहुल गांधी ने अहंकार में डूबी भाजपा सरकार को मुद्दों पर बात करने और सोचने पर विवश कर दिया। पौधरोपण, फल व मिष्ठान वितरण में नर्वदेश्वर शुक्ल, प्रवक्ता मो. रफीक खां, शकुन्तला देवी, अलीम अख्तर, अमरबहादुर शुक्ल उर्फ तप्पे बाबा, लालजीत पहलवान, अशोक श्रीवास्तव, बृजेश कुमार पाण्डेय, विपिन कनौजिया, लक्ष्मी यादव, डीएन शास्त्री, राजबहादुर निषाद, इजहार अहमद, संजीव त्रिपाठी, मो. जमील, घनश्याम आदि का योगदान रहा।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 जून 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

गर्मी में पेयजल संकट और तंत्र

कैसी विडंबना है कि देश की राजधानी में राज्य सरकार की मंत्री को पड़ोसी राज्य हरियाणा से आग बरसाती गर्मी के बीच गुहार लगानी पड़ रही है कि मानवता के आधार पर दिल्ली को अधिक पानी दें। भारतीय जीवन–दर्शन में जरूरतमंद को पानी पिलाना पुण्य माना जाता रहा है। वक्त के साथ ही इस संकट पर संवेदनहीनता सरकार और लोगों के स्तर पर नजर आ रही है। दिल्ली का जल संकट कोई पहली बार सामने नहीं आया। यह तंत्र की काहिली और राजनीतिक नेतृत्व की नाकामी का ही नमूना है कि झुलसाती गर्मी में वे लोगों को पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। समाज का संपन्न वर्ग तो किसी तरह पानी का जुगाड़ कर ही लेता है, लेकिन गरीब व निम्न मध्यवर्गीय लोगों को इस संकट से ज्यादा दो–चार होना पड़ता है। शर्मनाक यह है कि पक्ष व विपक्ष द्वारा जल संकट का समाधान करने के बजाय घड़े फोड़कर राजनीतिक लाभ लेने की कुचेष्टा हो रही है। यह समय घड़े फोड़ने का तो नहीं है, क्यों नहीं सभी राजनीतिक दल संकटकाल जैसी चुनौती महसूस करते हुए प्यासे लोगों के घड़े पानी से भरने का प्रयास करते? नीति–नियंताओं को इस जल संकट को आने वाले कल के बड़े संकट का ट्रेलर मानकर चलना चाहिए। बंगलुरु के भयावह जल संकट की बात पुरानी नहीं है। देश के कई अन्य भागों में जल संकट की आहट साफ देखी जा रही है। दरअसल, कथित आधुनिकता के नाम पर पानी का विलासिता से दुरुपयोग किया गया। उसी दिल्ली में कहीं स्वीमिंग पुल खुले हैं, कहीं कारें धोई जा रही हैं, कहीं लॉन सींचे जा रहे हैं तो कहीं एक पानी के टैंकर में कई–कई पाइप डालकर पीने का पानी जुटाने के लिये मारामारी चल रही है। ऐसे संकट के समय तो दुश्मन भी पसीज जाते हैं, फिर किस बात की राजनीति?

बहरहाल, यह हमारे नीति–नियंताओं की नाकामी की पराकाष्ठा ही है कि हम अपने नागरिकों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा नहीं दे पा रहे हैं। हमारी नीतियां चांद पर पानी तलाशने की रही हैं मगर हर घर जल नहीं मिल रहा है। सवाल उन राजनेताओं पर भी है जो वोट की राजनीति के लिये आये दिन बिजली–पानी मुफ्त देने की घोषणा करते रहते हैं और मुफ्त पानी दे भी रहे हैं। निश्चित रूप से व्यवस्थित व कारगर जलापूर्ति के लिये मुफ्त की नीति घातक होती है। बेहतर होता कि पानी मुफ्त देने के बजाय गुणवत्ता का पर्याप्त पानी देने के लिये योजना बनती। वॉटर रिसाइक्लिंग और ग्राउंड वॉटर रिचार्ज के लिये योजना बनती। काश! यमुना को साफ करने की ईमानदार कोशिश होती। यदि ऐसा होता तो दिल्ली के लोगों को पानी के लिये आंसू न बहाने पड़ते। सवाल जनता की जवाबदेही का भी है जो पानी के दुरुपयोग व सदुपयोग पर विचार नहीं करती। हम सार्वजनिक जल के बर्बाद होने पर खामोश क्यों रहते हैं? यदि पानी का विलासिता से उपयोग होता है तो किसी के हिस्से के पानी का हम दुरुपयोग कर रहे होते हैं। जनता क्यों आवाज नहीं उठाती कि हमारी जीवनदायिनी नदियों को किसने गंदे नाले में तब्दील कर दिया। क्यों सदानीरा यमुना का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया है। गाल बजाने वाले दिल्ली के सत्ताधीश उन फैक्टरियों पर अंकुश क्यों नहीं लगा पाए, जिनके रासायनिक कचरे ने यमुना को जहरीला बना दिया है। क्यों हर सीवरलाइन का मुंह नदियों की तरफ खुलता है? स्थानीय निकायों में घटिया किस्म की राजनीति करने वाले लोग क्यों नहीं आदर्श और दूरदर्शी पेयजल योजनाएं बनाते? जिस तरह से दिल्ली में लगातार आबादी का बोझ बढ़ता जा रहा है, उसके लिए हमें दिल्ली के लिये दूरदर्शी पेयजल योजना बनानी होगी। स्थानीय प्रशासन ध्यान दे कि टैंकर माफिया जल संकट को कैसे मुनाफे के कारोबार में बदल रहा है? क्यों पुलिस को नदी के पानी की निगरानी करनी पड़ रही है? ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि स्थानीय निकाय पुलिस की निगरानी में वैकल्पिक जल आपूर्ति के लिये प्रयास करें? यह समय संकट से सामूहिक रूप से मुकाबला का है। साथ ही वर्ष 1994 में उ.प्र., राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल व दिल्ली के बीच तीन दशक पहले हुए समझौते को बढ़ती आबादी के परिप्रेक्ष्य में नये सिरे से परिभाषित किया जाना चाहिए।

राहुल गांधी की राजनीतिक दशा– दिशा

– फिरदौस खान–

राहुल गांधी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे देश और राज्यों में सबसे लम्बे अरसे तक हुकूमत करने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष रहे हैं। हाल के लोकसभा चुनाव में उन्होंने उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से लाखों मतों से जीत हासिल कर इतिहास रचा है। उन्होंने अपने पुराने लोकसभा क्षेत्र वायनाड छोड़कर रायबरेली से सांसद रहने का फैसला किया है। बहरहाल, उनकी जिन्दगी कोई आसान नहीं है। इसमें जितने फूल हैं, उससे कहीं ज़्यादा खार हैं जिनकी चुभन उन्हें हमेशा महसूस होती रहती है।

राहुल गांधी एक ऐसे खानदान के वारिस हैं, जिसने देश के लिए अपनी जानें तक कुर्बान कर दीं। उनके भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लाखों–करोड़ों चाहने वाले हैं, लेकिन इस सबके बावजूद वे अकेले खड़े नजर आते हैं। उनके चारों तरफ एक ऐसा अनदेखा दायरा है, जिससे वे चाहकर भी बाहर नहीं आ पाते। एक ऐसी दीवार है, जिसे वे तोड़ नहीं पा रहे हैं। वे अपने आसपास बने खोल में घुटन तो महसूस करते हैं, लेकिन उससे निकलने की कोई राह, कोई तरकीब उन्हें नजर नहीं आती।

बचपन से ही उन्हें ऐसा माहौल मिला, जहां अपने–पराये और दोस्त–दुश्मन की पहचान करना बड़ा मुश्किल हो गया था। उनकी दादी इंदिरा गांधी और उनके पिता राजीव गांधी का बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। इन हादसों ने उन्हें वह दर्द दिया, जिसकी जरा–सी भी याद उनकी आंखें भिगो देती है। उन्होंने कहा था– ष्ननकी दादी को उन सुरक्षा गार्डों ने मारा, जिनके साथ वे बैडमिंटन खेला करते थे।

वैसे राहुल गांधी के दुश्मनों की भी कोई कमी नहीं है। कभी उन्हें जान से मार देने की धमकियां मिलती हैं, तो कभी उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके जाते हैं। अप्रैल 2018 में उनका जहाज क्रैश होते–होते बचा। कर्नाटक के हुबली में उड़ान के दौरान 41 हजार फुट की ऊंचाई पर जहाज में तकनीकी खराबी आ गई और वह आठ हजार फुट तक नीचे आ गया। उस वक़्त उन्हें लगा कि जहाज गिर जाएगा और उनकी जान नहीं बचेगी। लेकिन न जाने किनकी दुआएं ढाल बनकर खड़ी हो गईं और हादसा टल गया। कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रचने का इल्जाम लगाया था।

किसी अनहोनी की आशंका की वजह से ही राहुल गांधी हमेशा सुरक्षाकर्मियों से घिरे रहे हैं, इसलिए उन्हें वह जिन्दगी नहीं मिल पाई, जिसे कोई आम इंसान जीता है। बचपन में भी उन्हें गार्डन के एक कोने से दूसरे कोने तक जाने की इजाजत नहीं थी। खेलते वक़्त भी सुरक्षाकर्मी किसी साये की तरह उनके साथ ही रहा करते थे। वे अपनी जिन्दगी जीना चाहते थे, एक आम इंसान की जिन्दगी। राहुल गांधी ने एक बार कहा था– ष्अमेरिका में पढ़ाई के बाद मैंने जोखिम उठाया और अपने सुरक्षा गार्डों से निजात पा ली, ताकि इंग्लैंड में आम जिन्दगी जी सकूं।' लेकिन ऐसा ज़्यादा वक़्त तक नहीं हो पाया और वे फिर से सुरक्षाकर्मियों के घेरे में कैद होकर रह गए।

हर वक़्त कड़ी सुरक्षा में रहना, किसी भी इंसान को असहज कर देगा, लेकिन उन्होंने इसी माहौल में जीने की आदत डाल ली। खौफ के साये में रहने के बावजूद उनका दिल मुहब्बत से सराबोर है। वे एक ऐसे शख़्स हैं, जो अपने दुश्मनों के लिए भी दिल में नफरत नहीं रखते। वे कहते हैं– 'मेरे पिता ने मुझे सिखाया कि नफरत पालने वालों के लिए यह जेल होती है। मैं उनका आभार जताता हूं कि उन्होंने मुझे सभी को प्यार और सम्मान करना सिखाया।' अपने पिता की सीख को उन्होंने अपनी जिन्दगी में ढाला, इसीलिए उन्होंने अपने पिता के कातिलों तक को माफ कर दिया। उनका कहना है– 'वजह जो भी हो, मुझे किसी भी तरह की हिंसा पसंद नहीं है। मुझे पता है कि दूसरी तरफ होने का मतलब क्या होता है, ऐसे में जब मैं हिंसा देखता हूं चाहे वो किसी के भी साथ हो रही हो, मुझे पता होता है कि इसके पीछे एक इंसान, उसका परिवार और रोते हुए बच्चे हैं। मैं ये समझने के लिए काफी दर्द से होकर गुजरा हूं। मुझे सच में किसी से नफरत करना बेहद मुश्किल लगता है।'

उन्होंने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ज़िक्र करते हुए कहा था– 'मुझे याद है जब मैंने टीवी पर प्रभाकरण के मुर्दा जिस्म को जमीन पर पड़ा देखा। ये देखकर मेरे मन में दो जज़्बे पैदा हुए। पहला ये कि ये लोग इनकी लाश का इस तरह अपमान क्यों कर रहे हैं और दूसरा मुझे प्रभाकरण और उनके परिवार के लिए बुरा महसूस हुआ।'

राहुल गांधी एक ऐसी शख़्सियत के मालिक हैं, जिनसे कोई भी मुतासिर हुए बिना नहीं रह सकता। देश के प्रभावशाली राज घराने से होने के बावजूद उनमें जर्रा भर भी गुरूर नहीं है। उनकी भाषा में मिठास और अपनापन है, जो सभी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। वे विनम्र इतने हैं कि अपने विरोधियों के साथ भी सम्मान से पेश आते हैं, भले ही उनके विरोधी उनके लिए कितनी ही तल्ख़ भाषा का इस्तेमाल क्यों न करते रहें. किसी भी हाल में वे अपनी तहजीब से पीछे नहीं हटते। उनके कट्टर विरोधी भी कहते हैं कि राहुल गांधी का विरोध करना उनकी पार्टी की नीति का एक अहम हिस्सा है, लेकिन जाती तौर पर वे राहुल गांधी को बहुत पसंद करते हैं। वे खुशमिजाज, ईमानदार, मेहनती, क्षमाशील और सकारात्मक सोच वाले हैं। बुजुर्ग उन्हें स्नेह करते हैं, उनके सर पर शफकत का हाथ रखते हैं, उन्हें दुआएं देते हैं। वे युवाओं के चहेते हैं। राहुल गांधी अपने विरोधियों का नाम भी सम्मान के साथ लेते हैं, उनके नाम के साथ जी लगाते हैं। सच है कि संस्कार विरासत में मिलते हैं, संस्कार घर से मिला करते हैं। अपने से बड़ों के लिए उनके दिल में सम्मान है, तो बच्चों के लिए प्यार–दुलार है। वे इंसानियत को सर्वोपरि मानते हैं। अपने पिता की ही तरह अपने कट्टर विरोधियों की मदद करने में भी पीछे नहीं रहते।

राहुल गांधी छल और फरेब की राजनीति नहीं करते। वे कहते हैं– "मैं गांधीजी की सोच से राजनीति करता हूं। अगर कोई मुझसे कहे कि आप झूठ बोल कर राजनीति करो, तो मैं यह नहीं कर सकता। मेरे अंदर ये है ही नहीं। इससे मुझे नुकसान भी होता है। मैं झूठे वादे नहीं करता।ष वे ये भी कहते हैं– "सत्ता और सच्चाई में फर्क होता है। जरूरी नहीं है, जिसके पास सत्ता है उसके पास सच्चाई है।" वे कहते हैं– 'जब भी मैं किसी देशवासी से मिलता हूं, मुझे सिर्फ उसकी भारतीयता दिखाई देती है। मेरे लिए उसकी यही पहचान है। अपने देशवासियों के बीच न मुझे धर्म, ना वर्ग, ना कोई और अंतर दिखता है।'

कहते हैं कि सच के रास्ते में मुश्किलें ज्यादा आती हैं और राहुल गांधी को भी बेहिसाब मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बचपन से ही उनके विरोधियों ने उनके खिलाफ साजिशें रचनी शुरू कर दी थीं। उन पर लगातार जाती हमले किए जाते हैं। इस बात को राहुल गांधी भी बखूबी समझते हैं, तभी तो एक बार विदेश जाने से पहले उन्होंने एक्स पर अपने विरोधियों को सम्बोधित करते हुए लिखा था– ष्कुछ दिन के लिए देश से बाहर रहूंगा। भारतीय जनता पार्टी की सोशल मीडिया ट्रोल आर्मी के दोस्तों, ज़्यादा परेशान मत होना. मैं जल्द ही वापस लौटूंगा।'

राहुल गांधी पर हर तरफ से हमले होते ही रहते हैं। उनके खिलाफ देशभर में इतने मामले दर्ज हैं कि वे आए दिन किसी न किसी अदालत में पेश होते रहते हैं। मोदी सरनेम वाले मामले में सूरत की अदालत से दो साल की सजा मिलने के बाद 23 मार्च 2023 से उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। इस पर उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। अदालत ने 4 अगस्त को उन्हें दोषी ठहराए जाने के फैसले पर रोक लगा दी। इसके बाद 7 अगस्त को लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल कर दी। राहुल गांधी एक नेता हैं, जो पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए, पार्टी को हुकूमत में लाने के लिए दिन–रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वह कामयाबी नहीं मिल पा रही है, जो उन्हें मिलनी चाहिए या ये कहें कि जिसके वे हकदार हैं। शायद वे सियासत के लिए बने ही नहीं हैं। उन्हें तो सियासत में धकेला गया है। बहरहाल वे तमाम अफवाहों और अपने खिलाफ रची जाने वाली तमाम साजिशों से अकेले ही जूझ रहे हैं और मुस्कराकर उनका सामना कर रहे हैं।–(लेखिका स्टार न्यूज एजेंसी में सम्पादक हैं)

खनिज दोहनः रूस–चीन और तालिबान

–पुष्परंजन–

वर्ष 2022 में अफगान अमीरात सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने जब पहली बार सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच का दौरा किया, तो यह चर्चा का विषय था कि पुतिन क्या फिर से ग्रेट गेम खेलना चाहते हैं? हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आदतन कोई बात सीधे तौर पर स्वीकार नहीं करते, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्लामिक अमीरात के साथ संबंध बनाने के लिए यह कदम जरूरी था। मार्च, 2022 में, रूस–अफगानिस्तान ने आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। कजाकिस्तान 2023 में तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने वाला पहला देश था। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्को के इशारे पर ऐसा कुछ हुआ था।

रूस के खेल से पश्चिमी देश अबूझ हों, यह गलतफहमी कोई नहीं पालता। इसकी काट के वास्ते संयुक्त अरब अमीरात को हर समय आगे रखा जाता है। मई, 2023 में अफगानिस्तान पर पहली दोहा बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की। लेकिन 18–19 फरवरी, 2024 को दूसरी दोहा बैठक में इस्लामिक अमीरात शर्तें पूरी न होने के कारण शामिल नहीं हुआ। जिसके लिए बैठक हो, और वही अनुपस्थित रहे, तो दोहा–टू का मजाक बनना स्वाभाविक था। अब, तीसरी बैठक 30 जून और 1 जुलाई, 2024 को निर्धारित है।

पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो, कतर के उपविदेश मंत्री, इस्लामिक सहयोग संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल और यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि थॉमस निकलसन ने काबुल का दौरा किया था। इससे पहले सुरक्षा परिषद के अनुरोध पर 25 अप्रैल, 2024 को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए तुर्की के राजनयिक फरीदुन सिनिरिलियोग्लू को विशेष समन्वयक नियुक्त किया था। लेकिन फरीदुन सिनिरिलियोग्लू ने जो मसौदे दोहा–3 बैठक के लिए तैयार किये, उसमें काफी रद्दोबदल किये जा चुके हैं। यह सब होने के बाद ही अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने तीसरी दोहा बैठक में अंतरिम सरकार के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की घोषणा की है। दोहा–3 बैठक में अमीरात के विदेश मंत्री वित्तीय, बैंकिंग, ड्रग नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर विमर्श के लिए सहमत हैं। अब सवाल यह है कि क्या पश्चिमी देश मान लेंगे कि अफगान औरतों को शिक्षा–रोजगार से दूर रखने का जो जघन्य कर्म अमीरात ने किया, मानवाधिकारों का दमन किया, वो सही है?

रूस ने भी अमीरात पर औरतों के हक को लेकर शायद ही कभी दबाव बनाया हो। इस्लामिक अमीरात अक्सर रूसी सुरक्षा सम्मेलनों में साझेदार बना है। 8 फरवरी, 2023 को भारत, ईरान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) ने अफगानिस्तान पर पांचवें बहुपक्षीय सुरक्षा वार्ता के लिए मास्को में मुलाकात की। इसके प्रकारांतर सितंबर, 2023 में चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों को जुटाकर 'अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श' की पांचवीं बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने भी भाग लिया था। इतना ही नहीं, रूस–चीन की पहल पर शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाइजेशन संपर्क समूह में भी अफगानिस्तान को लाने के प्रयास किये गये।

यह रोचक है कि 29 जनवरी, 2024 को तालिबान प्रशासन ने काबुल में 'अफगानिस्तान क्षेत्रीय सहयोग पहल' नामक पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी की, जिसमें रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, इंडोनेशिया और भारत सहित यूरेशियन क्षेत्र के 11 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। ऐसे में कैसे कह सकते हैं, कि अमीरात शासन को 'आइसोलेट' कर दिया गया?

बर्लिन स्थित काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट (सीईपी) के मध्य–पूर्व विशेषज्ञ, हैंस जैकब शिंडलर का मानना है कि रूस का विदेश मंत्रालय तालिबान को आतंकवादी समूह की सूची से हटाने के बदले में काफी–कुछ उम्मीद कर सकता है। लेकिन ऐसा कहना आसान है, करना मुश्किल। शिंडलर ने कहा, 'तालिबान हमेशा रियायतें स्वीकार करने के लिए इच्छुक होते हैं, लेकिन जब उन्हें बदले में देने की बात आती है, तो उनके लिए चीजें जटिल हो जाती हैं।' अफगानिस्तान एनालिस्ट नेटवर्क के सह–संस्थापक थॉमस रुटिग ने भी क्रेमलिन के हालिया प्रयासों को मल्टी ट्रास्क रणनीति के रूप में व्याख्यायित किया, जो इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता देने की दिशा में बढ़ रही है।

शिंडलर और रुटिग दोनों इस बात पर सहमत हैं कि तालिबान को आतंकवादी संगठन के रूप में सूची से हटाने के बाद अगला कदम उसे वैध राज्य शक्ति के रूप में आधिकारिक मान्यता देना हो सकता है। दोनों की बात कुछ हद तक सही है। ऐसी कवायद दोहा से मास्को तक चल रही है। थोड़ी देर के लिए हम यदि इसे तालिबान नीति की सफलता मान भी लें, तो आने वाले समय के लिए यह सुखद संदेश नहीं देता है। तालिबान पहले 1996 और 2001 के बीच अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज थे। दो दशक बाद, तालिबान की वापसी का मतलब, इस्लामी कानून की संकीर्ण व्याख्या की बहाली भी रही है। यदि मल्टीपोलर वर्ल्ड अपने कूटनीतिक स्वार्थों की वजह से मानवाधिकारों का हनन, विशेष रूप से महिलाओं–बच्चियों पर व्यापक प्रतिबंध को भी स्वीकार करता है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या भारत को भी अमीरात इसी रूप में सुहाता है?

तालिबान प्रतिबंधित है, दूसरी ओर सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम में वह आमंत्रित भी है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, 'पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार में पांच गुना वृद्धि हुई और यह एक अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है।' चीन भी 2023–24 में डेढ़ अरब डॉलर एक्सपोर्ट के साथ अफगानिस्तान में खनिजों का दोहन करता है, तो उसे मान्यता देने न देने का मतलब क्या रह जाता है? यह तो समझ में आ चुका है कि तालिबान से संबंधों को सुदृढ़ करना, चीनी–रूसी विदेश नीति का हिस्सा है। खनिजों से समृद्ध अफगानिस्तान सबके लिए प्रासंगिक है, जिसका दोहन तभी किया जा सकता है, जब इस देश में शांति लाई जाए, और अधोसंरचना, फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से लैस किया जाए। मॉस्को, अफगानिस्तान के इन्फ्रा में दिलचस्पी ले, उससे पहले संयुक्त अरब अमीरात वहां अपनी गहरी पैठ बना चुका है। यूएई में तीन लाख से ज़्यादा अफगान रहते हैं। इन दिनों अफगानिस्तान को संवारने में यूएई सबसे आगे है। यूएई में अफगान व्यापार परिषद के प्रमुख हाजी ओबैदुल्ला सदर खैल बताते हैं कि अमीराती मुल्क में 200 अस्पताल बनाने, राजमार्ग निर्माण, स्कूली किताबें प्रकाशित करने, अफीम की फसल की जगह केसर उत्पादन में सुधार करने और कालीन उद्योग विकसित करने के लिए हम निरंतर काम कर रहे हैं। लेकिन कड़वा सच यह भी है कि अफगानिस्तान में खनिज दोहन की प्रतिस्पर्धा ने दुनियाभर के ताकतवर देशों को कम्प्रोमाइज के कगार पर ला खड़ा किया है!

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सुरक्षा चुनौतियां और सरकार

–डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव–

नवगठित एनडीए सरकार में राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे पिछली सरकार में भी रक्षा मंत्रालय का कामकाज देख रहे थे। रक्षा मंत्री के तौर पर दूसरे कार्यकाल में राजनाथ सिंह के लिए अग्निपथ योजना की समीक्षा करके उसे आकर्षक बनाने का काम अत्यन्त सामयिक एवं ज्वलंत है। इसके अलावा सैन्य सुधारों को लागू करना, इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड का गठन, हथियारों के आयात में कमी करना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाना, पाकिस्तान व चीन सीमा पर बने तनाव से निपटने के रास्ते निकालने की जिम्मेदारी के साथ ही रक्षा बजट अधिक करवाना है।

अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने को लेकर युवाओं ने शुरुआत से ही नाराजगी जाहिर कर दी थी। यह बात अलग है कि बाद में नवयुवक इस योजना में भर्ती होने लग गए थे। सेवानिवृत्त सैनिकों ने इस योजना का विरोध करते हुए सवाल उठाए थे। इसके अलावा कुछ विपक्षी दलों ने अग्निपथ योजना का मुद्दा जोर–शोर से उठाया। उल्लेखनीय है कि इस योजना में युवाओं को चार साल के लिए भर्ती किया जाता है। इस योजना के 25 प्रतिशत जवानों को ही स्थाई होने का अवसर मिलेगा। शेष जवानों को अन्य क्षेत्रों में रोजगार तलाशना पड़ेगा। स्थाई सैनिकों की तुलना में इन्हें केवल 30 दिन की छुट्टी मिलती है। अब इस योजना में सुधार को लेकर सेना के भीतर से ही कुछ सुझाव मिले हैं। इसलिए इसकी समीक्षा किए जाने की बात चल रही है। रक्षा मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि अग्निपथ योजना में यदि बदलाव की आवश्यकता हुई तो वे करने को तैयार हैं। सैनिक सुधार करना सरकार के एजेंडे में शामिल है। सैन्य सुधारों में सबसे प्रमुख सेना के तीनों अंगों थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड का गठन करना है। इसमें नए सेनाध्यक्ष की भूमिका प्रमुख होगी। विदित हो कि मोदी सरकार के नेतृत्व में वर्ष 2019 में थिएटर कमांड बनाए जाने का निर्णय हुआ था। उसी समय जनरल बिपिन रावत को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाया गया था। इस योजना का उद्देश्य छोटी–बड़ी लड़ाइयों के समय अपने निश्चित सामरिक लक्ष्यों के साथ विशिष्ट शत्रु आधारित थिएटरों में संयुक्त अभियानों के लिए थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को एकीकृत करना है। भारतीय सशस्त्र बल थिएटर कमांड के गठन की तैयारियों को पूरा करने में लगे हुए हैं। वर्ष 2019 से अब तक की अवधि में निचले स्तर पर सेवाओं को एकीकृत करने के कुछ प्रयास किए गए हैं। बीते पांच वर्षों में थिएटर कमांड के लिए उत्तम संभव मॉडल पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए अनेक मसौदे तैयार किए गए। अब सरकार गठन के बाद इस पर विचार किए जाने की उम्मीद है।

मार्च, 2024 में स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) यानी सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत संसार के शीर्ष हथियार आयातक देशों में शामिल है। यह संस्था दुनियाभर में हथियारों की खरीद–फरोख्त पर नजर रखती है और प्रतिवर्ष अपनी रिपोर्ट जारी करती है। सिपरी की रिपोर्ट में बताया कि भारत ने 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में दुनिया से 9.8 फीसदी हथियार आयात किए। आवश्यक है कि हथियारों के मामले में दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम की जाए। यह कार्य कैसे किया जाए इससे रक्षा मंत्री को निपटना होगा। बीते दो दशकों से मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया पर जोर दिया है। इसी अभियान के तहत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा दिया गया है। परिणाम यह हुआ कि भारत के रक्षा उद्योग में सैन्य साजो–सामान का उत्पादन काफी बढ़ गया है।

गर्मी से परेशान होकर नहाने गए बिजली कर्मचारी राप्ती नदी में डूबे, दो की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। विद्युत लाइन की मरम्मत के बाद गर्मी से बेहाल छह प्राइवेट लाइन मैन बुधवार राप्ती नदी में नहाने चले गए। मधवापुर घाट के निकट नहाते समय सभी डूबने लगे। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि दो गहरे पानी में डूब गए। मौके पर पहुंची मल्हीपुर पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों के सहयोग से दोनों की लाश नदी से बरामद कर ली। वहीं, सुरक्षित बचाए गए एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उसे बहराइच रेफर किया गया है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर गंगापुर के मजरा लक्ष्मनपुर निवासी संगमलाल (22) पुत्र महादेव, मनोहर लाल (21) पुत्र लोधे, संदीप (20) पुत्र सुग्रीव, कुलदीप (22) पुत्र सिकंदर, गोलू (22) पुत्र बाउर व देवीदीन (22) पुत्र राजितराम एक ठेकेदार के साथ प्राइवेट लाइनमैन का काम करते हैं।

बुधवार को यह सभी विद्युत लाइन की मरम्मत करने गए थे। जहां दोपहर गर्मी अधिक होने के कारण काम से लौटते समय सभी थाना क्षेत्र के ही मधवापुर घाट के निकट राप्ती नदी में नहाने चले गए। जहां नहाते समय अचानक सभी डूबने लगे। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने कुलदीप, गोलू, देवीदीन व संदीप को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान संदीप की हालत गंभीर होने के कारण उसे सीएचसी मल्हीपुर ले जाया गया। जहां से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया।

सूचना पर दलबल के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक मल्हीपुर जयहरि मिश्रा ने स्थानीय गोताखोरों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद संगमलाल पुत्र महादेव व मनोहर लाल की लाश को नदी से खोज कर बाहर निकलवाया जिसका पंचनामा भरकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। वहीं, एक ही गांव में दो मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। डूबने की सूचना पर परिजन ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पहुंच गए।

डीएम और वकीलों में नोकझोंक, ड्राइवर को पीटा, छावनी में बदला पूरा कलक्ट्रेट परिसर

संवाददाता–देवरिया। जमीन पैमाइश को लेकर अधिवक्ताओं और जिलाधिकारी में जबरदस्त नोकझोंक हो गई है। मामला इतना ज्यादा बिगड़ गया कि अधिवक्ताओं का समूह डीएम चौंबर के पास पहुंच गया और जमकर हंगामा हुआ। डीएम के स्कॉट में शामिल एक वाहन के ड्राइवर को भी पीटने का आरोप लग रहा है। मामले की जनाकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंच गए। पूरा कलक्ट्रेट परिसर छावनी में तब्दील कर दिया गया है। किसी तरह मामले को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि अधिवक्ता मानने को तैयार नहीं हैं। बताया जाता है कि बरहज तहसील क्षेत्र के पुरैना शुक्ल के रहने वाले अधिवक्ता जयशिव शुक्ल के खेत के कुछ हिस्से में पीडब्ल्यूडी की सड़क का निर्माण हो गया है। इसी मामले को लेकर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहांसन गिरी जिलाधिकारी के चेंबर में गए थे। खेत में बनी सड़क को पैमाइश कर हटाने की बात को लेकर सिंहासन गिरी और जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह के बीच बातचीत के दौरान ही बहस होने लगी। इसी दौरान मामला नोंकझोक तक पहुंच गया।

इसकी जानकारी होने पर काफी अधिक संख्या में अधिवक्ता जिलाधिकारी चेंबर के पास पहुंच गए और हंगामा करने लगे। आरोप है कि इस दौरान कुछ लोगों ने डीएम के स्कॉर्ट में शामिल वाहन के ड्राइवर की पिटाई कर दी और उसका मोबाइल भी छीन लिया। हंगामा की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स कलक्ट्रेट पहुंच गई। कुछ देर में ही एसपी संकल्प शर्मा भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने हालात का जायजा लिया। घटना के बाद से कलक्ट्रेट में भारी संख्या में पुलिस बुला ली गई है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी का कहना है कि जिलाधिकारी को मेरे पद की जानकारी होने के बाद भी मेरे साथ उन्होंने अभद्रता की है। उनसे माफी मांगने की बात कही गई लेकिन इनकार कर दिया है। जब तक वह माफी नहीं मागेंगे अधिवक्ता उनकी एक नहीं सुनेंगे। सिंहासन गिरी ने विवाद के बारे में बताया कि चार दिन पहले पैमाइश करके सड़क बनाने का आवेदन दिया गया था। प्रशासन की टीम ने पैमाइश की और माना कि सड़क गलत बन गई है।

इसी को लेकर जिलाधिकारी से जब बात की गई तो कहा कि अब तो सड़क बन गई है। अब कुछ नहीं किया जा सकता। अब हटिए यहां से जाइए। फिर कहा कि हटते हैं या नहीं। इसी को लेकर विवाद शुरू हुआ है। उन्होंने बदतमीजी मुझसे की। इसी के बाद अधिवक्ता आक्रोशित हो गए और उनसे माफी मांगने की मांग की। सिंहासन गिरी ने डीएम पर कई तरह के आरोप भी लगाए। कहा कि हम लोगों को धमकी भी दे रहे हैं। कहा कि जब तक इस मामले में शासन प्रशासन कुछ नहीं करता है अधिवक्ता इसकी लड़ाई लड़ते रहेंगे और आंदोलन करेंगे।

महंत रामदास के नेतृत्व में संतों ने सांसद अवधेश प्रसाद का किया स्वागत

–संवाददाता–भारतीय बस्ती–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या धाम के मां सरयू के पावन तट पर स्थित सिद्धपीठ करतलिया बाबा आश्रम में, आश्रम के पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास महाराज के संयोजन में अयोध्या की धरती से फैजाबाद लोकसभा से नवनिर्वाचित समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद और पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन का संतो महंतों ने किया भव्य स्वागत। बाल योगी महंत रामदास के नेतृत्व में महंत अंगद दास के साथ दर्जनों संत महंतो ने 101 किलो के पुष्प की माला पहनाया और रामनामा ओढ़ाकर स्वागत सम्मान किया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए महंत रामदास ने कहा कि आज से लगभग 6 महीने पहले जब अवधेश प्रसाद जी विधायक थे उसे समय भी संतों की समस्या मेरी एक सूचना पर हल कर देते थे अब सांसद हो गए हैं तो हम अयोध्या के संतों की यही इच्छा है कि अयोध्या के संतो व्यापारियों और यहां के वासियों की जो भी समस्या हो उसको तत्काल दूर करें और अब वह उसे संसद के सदस्य हैं जहां से नियम कानून बनते हैं तो निश्चित ही हम लोगों की यही आशा है कि वह अयोध्या की समस्या संसद में रखेंगे और इसको विश्व पटल पर स्थापित करेंगे। पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय पवन ने कहा कि अयोध्या ना हारी है न जिति है यहां के नागरिकों ने न्याय किया है और योगी और मोदी हराया है। उन्होंने कहा कि जिसके दिमाग कचरा भरा है उन्हें अयोध्या आने की जरूरत नहीं है। प्रभुश्री राम श्री भाव के भूखे हैं, जिसका भाव अच्छा था उसे अपना आशीर्वाद दिए। उन्होंने कहा की 27 में हमारी सरकार बनी तो व्यापारियों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्य अतिथि सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि श्री राम की मर्यादा को तोड़ने का कार्य भाजपा ने किया था, यही कारण है की असली राम भक्त जीत गए। उन्होंने कहा कि जिन्होंने राम की अयोध्या को उजाड़ा राम जी ने अयोध्या से उन्हें उजाड़ दिया। उन्होंने कहा कि आप लोगों के मतदान का असर है कि आज विश्व में लोग अयोध्या की चर्चा कर रहे हैं मैं विश्वास दिलाता हूं कि अयोध्या को विश्व पटल पर स्थापित करने का कार्य करूंगा और जो लोग अयोध्या के लोगों को गलत साबित कर रहे हैं उनसे कहना चाहता हूं की अयोध्या के लोगों ने भाजपा की विचारधारा को हराया है। उन्होंने कहा कि मैं सभी संतो महंतों अयोध्या के नागरिकों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे प्रभु श्री राम की जन्मस्थली के सेवा का अवसर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता बलराम यादव ने किया। इस अवसर पर महंत अनिल मिश्रा,महंत अंगद दास, महंत कन्हैया दास, महंत मनोज दास, महंत किशोरी दास, महंत हरीश दास, महंत रामचरण दास, महंत राधेश्याम दास, शिवम शास्त्री, सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अमित प्रसाद,पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव सोनू, पार्षद प्रतिनिधि एवं पूर्व पार्षद महेंद्र शुक्ला, शशांक शुक्ल, अखिलेश पांडे, जगदीश यादव ननकू यादव आशू यादव, अजय मिश्रा, बाबू चंद्रशेरा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

राप्ती नदी में नहाने गया बालक डूबा, मौत

संवाददाता–बलरामपुर। गौरा चौराहा कुआनों के बाद अब बुधवार को राप्ती नदी में नहाने गया एक बालक डूब गया जब तक उसे बाहर निकाला जाता तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। स्थानीय थाना क्षेत्र के कोलहुईया भोजपुर गांव निवासी महेश का बेटा धर्मेंद्र कश्यप (12) बुधवार की दोपहर करीब तीन बजे गांव के कुछ अन्य बच्चों के साथ घर से कुछ दूरी पर बह रही राप्ती नदी में नहाने गया था। नहाते हुए वह गहरे पानी में डूबने लगा। यह देख अन्य बच्चों ने शोर मचाना शुरू किया। जिस पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी देते हुए डूबे हुए बालक को खोजने का अभियान शुरू किया। राप्ती नदी के तट पर काफी लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। करीब दो घंटे की कोशिश के बाद ग्रामीणों ने डूबे हुए बालक के शव को बाहर निकाला।

कोरियर प्रबंधक के साथ लूटपाट करनेवाले चार अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। थाना देहात पुलिस ने तुलसीपुर के कोरियर प्रबंधक के साथ लूट की घटना का बुधवार को राजफाश कर दिया। पुलिस ने दो लाख 24 हजार लूट की रकम से 84600 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस ने एक कार भी पकड़ी है जिसके कोई कागजात नहीं मिले हैं। धरपकड़ व बरामदगी थाना देहात क्षेत्र के सिरसिया गांव के निकट हुई है। पुलिस की इस उपलब्धता पर पुलिस अधीक्षक ने कर्मियों को बधाई दी है। 14 जून दोपहर एक बजे कोरियर प्रबंधक अमरहवा निवासी मुरलीधर बाइक से बलरामपुर पैसा जमा करने आ रहे थे। थाना देहात क्षेत्र अन्तर्गत बौद्ध परिपथ स्थित भैंसहवा गांव व सुदामा ईंट भट्ठा के निकट अज्ञात बदमाशों ने कार लगाकर बाइक का रास्ता रोक लिया। कार सवार दो बदमाश मुरलीधर का रुपयों से भरा बैग छीन ले गए। बैग में दो लाख 84 हजार रुपए थे। वह उसे पंजाब नेशनल बैंक बलरामपुर मुख्य शाखा में जमा करने आ रहे थे। घटना के बाद मुरलीधर ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध थाना देहात में एफआईआर दर्ज करायी थी। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव, सर्विलांस टीम व थाना देहात के प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार को अपराधियों की धरपकड़ के कड़े निर्देश दिए थे। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लूटकांड में शामिल बदमाश लखनऊ भागने की फिराक में हैं। नाकाबंदी के कारण वे भाग नहीं सके थे।

दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। थाना क्षेत्र के एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जा कर उसके साथ दुराचार करने के वांछित आरोपी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। कौड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक लड़की को एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसकी शिकायत लड़की की मां ने पुलिस से की।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 617/2022
सै0 जैगम अब्बास
बनाम
सै0 शमशुल हसन आदि

बनाम–1–सै0 शमशुल हसन 2– सै0 इब्ने हसन 3– सै0 अनवरूल हसन पुत्रगण सै0 मोहम्मद उर्फ बच्छन 4– शब्बरी फातिमा पत्नी सै0 मोहम्मद उर्फ बच्छन समस्त निवासीगण ग्राम– सहनवां परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद अयोध्या 5– वीरेन्द्र नाथ पाण्डेय पुत्र परमेश्वरनाथ पाण्डेय निवासी ग्राम– नन्दापुर पोस्ट– दरमपुर परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद अयोध्या

तारीख पेशी 02–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 25/2024
शिव कुमार आदि
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या हर खासो आम
2– पंजाब नेशनल बैंक विक्रमजोत कैन्ट छावनी जनपद बस्ती
मृतका–श्रीमती चन्द्रपती पत्नी राम बहोरे निवासी अब्बूसराय नगर पालिका बाहर सरहद मिर्जापुर परगना मगलसी तहसील सदर जनपद–अयोध्या

पेशी दिनांक– 18–07–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 18 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 18–07–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 59/2024
लीलावती
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम
मृतक–धनीराम पुत्र राम आसरे निवासी ग्राम– तालढोली परगना– खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–17/11/2023

पेशी दिनांक– 10–07–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 10 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 10–07–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र का नाम केव्यान सिंह से बदलकर अक्षयबल सिंह (AKSHAYBALSINGH) कर दिया है। अब उसे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

(अमल सिंह)
पुत्र श्री राजेश कुमार सिंह
मकान नम्बर 3/19/203A
शक्ति विहार कालोनी
शहर व जिला–अयोध्या (उ.प्र.)
मो0 नं0 9559177611

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 586/2021
श्री रामदास
बनाम
जर्नादन तिवारी आदि

बनाम–1–जर्नादन तिवारी पुत्र स्वर्गीय रामकिशुन भूतपूर्व (जर्नादन दास शिष्य स्वर्गीय दीनबंधु दास) पट्टी बसंतियां हनुमानगढी अयोध्या मूल वर्तमान पता प्रतापपुर (बांसी पूरब) तहसील मेंहदावल जनपद संतकबीर नगर 2– विनोद कुमार तिवारी पुत्र रामकिशुन निवासी प्रतापपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जनपद संतकबीर नगर

तारीख पेशी 29–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय- नगर पालिका परिषद बस्ती, जनपद- बस्ती

पत्रांक 1453 /न०पा०परि0ब0/2024–25 दिनांक 19–06–2024

नगर पालिका परिषद बस्ती को बनाये नं0–1

आवश्यक सूचना

'स्वच्छ सर्वेक्षण–2024' के अन्तर्गत नगर के सभी सम्मानित नागरिकों, दुकानदारों, थोक विक्रेताओं, सब्जी विक्रेताओं, बल्क वेस्ट जनरेटर, अन्य जनमानस आदि से अपील है कि–

01. घर अथवा दुकान में जनित होने वाले सूखा, गीता कूड़ा व घरेलू खतरनाक अपशिष्ट (बच्चों के डायपर्स /सेनेटरी पैड) को अलग–अलग डस्टबिन में एकत्र करें। नगर को स्वच्छ बनाये रखने के लिए कूड़े को घर–घर से कूड़ा एकत्र करने वाले वाहन/नगर पालिका कर्मी को ही कूड़ा दें। कूड़े को किसी भी दशा में नाला/नाली, सड़क व खुले स्थान पर न फेंके और न ही जलायें। कूड़ा जलाने व खुले स्थान पर फेंकने से गन्दगी व वातावरण प्रदूषित होता है। कूड़ा जलाना व खुले स्थान पर फेंकना एक दण्डनीय अपराध है और इसके लिए दण्ड के प्राविधान के अन्तर्गत प्रथम बार सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकने पर 200/–रू० एवं पुनरावृत्ति करने पर 2500/– रू० प्रति प्रकरण जुर्माना वसूल किया जायेगा। कूड़ा जलाने पर 1000/–रु० जुर्माना व पुनरावृत्ति करने पर 2000/–रू० जुमाना वसूल किया जायेगा ।
02. नगर पालिका सीमान्तर्गत भवन निर्माण सामग्री (निष्प्रयोज्य सामग्री) को खुले स्थानों (खुली जगह एवं सड़क किनारे) पर डालने से एस०डब्ल्यू०एम० नियम 2016 तथा नगर पालिका के नियम के अनुसार प्रथम बार उल्लंघन करने पर 500/–रू० तथा पुनरावृत्ति किये जाने पर 1000/– प्रति प्रकरण जुर्माना हो सकता है। कोई भी व्यक्ति सी० एण्ड डी० वेस्ट से संबंधित सूचना स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी के मो० नं० 7508046970 पर देकर सी०एण्ड०डी० वेस्ट की सेवायें नियमानुसार शुल्क अदा करके नगर पालिका परिषद बस्ती से प्राप्त कर सकता है। सार्वजनिक मार्ग/नाली पर मलवा डालने पर उपरोक्तानुसार जुर्माना वसूल किया जायेगा।
03. नगर पालिका सीमान्तर्गत सभी होटलों, रेस्टोरेन्ट, हॉस्पिटल, विद्यालय, बारात घर व अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सूचित किया जाता है कि जिनका कचरा प्रतिदिन 50–100 किलोग्राम (वल्क वेस्ट जनरेटर), से ज्यादा है अपने गीले कूड़े का निस्तारण अपने ही परिसर में स्वयं करना सुनिश्चित करें अन्यथा एस०डब्ल्यू0एम० नियम 2016 के अन्तर्गत नगर पालिका द्वारा 1000/–रू० प्रति प्रकरण जुर्माना वसूल किया जायेगा।
04. नगर पालिका सीमान्तर्गत सेप्टिक टैंको से निकलने वाली गन्दगी (फीकल स्लज) को साफ करने हेतु सीवर सेक्शन मशीन नगर पालिका परिषद बस्ती में उपलब्ध है। जिसका शुल्क रु० 3500/–प्रति चक्कर है। यदि कोई भी फीकल स्लज ऑपरेटर रोड के किनारे अथवा अन्य स्थान पर फीकल स्लज का निस्तारण करते हुए पाया गया तो नियमावली के अन्तर्गत अर्थदण्ड वसूल किया जायेगा। यदि कोई भी मकान मालिक किसी भी प्राइवेट व्यक्ति से सेप्टिक टैंक साफ कराता है तो सफाई के दौरान यदि किसी भी प्रकार की दुर्घटना होती हे तो इसके लिए संबंधित व्यक्ति एवं कर्मी स्वयं ही जिम्मेदार होगा। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ मैनुअल स्कैवेंजर अधिनियम 2013 की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया जायेगा। सीवर/सेपटी टैंक की सफाई हेतु टोल फ्री नं0–14420 का प्रयोग करे।
05. नगर पालिका सीमान्तर्गत खुले में शौच या यूरिन करना एक दण्डनीय अपराध है। कृपया खुले में शौच या यूरिन कदापि न करें। अपने आस–पास बने सार्वजनिक /सामुदायिक/पेट्रोल पम्प पर बने शौचालयो का ही प्रयोग करे एवं दूसरे लोगों को भी प्रेरित करें। खुले में शौच करते हुए पकड़े जाने पर 500/–रू प्रति व्यक्ति जुर्माना वसूला जायेगा। तथा खुले में यूरिन करते हुए पकड़े जाने पर 250/–रू प्रति व्यक्ति जुर्माना वसूला जायेगा।
06. नगर पालिका सीमान्तर्गत मच्छर जनित स्थिति पैदा करने वाले व्यक्तियों से 500/–रू० जुर्माना वसूल किया जायेगा।
07. किसी भी प्रकार के थर्माकोल/प्लास्टिक के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली, आदि 120 माइक्रॉन से कम प्लास्टिक का प्रयोग स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की दृष्टि से हानिकारक है, इसलिए इसका प्रयोग कदापि न करें। सभी दुकानदार, थोक विक्रेता, ठेले वाले, फेरी वाले, सब्जी वाले एवं अन्य जनमानस द्वारा धर्माकोल /प्लास्टिक के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि 120 माइक्रॉन से कम प्लास्टिक का क्रय–विक्रय करते हुए पाये जाने पर शासनादेश में उल्लिखित धनराशि के सापेक्ष जुर्माना वसूल किया जायेगा।
08. नगर पालिका परिषद बस्ती के समस्त सम्मानित नागरिको से अपील है कि स्वच्छ सर्वेक्षण–2024 में भारत सरकार की ओर से नियुक्त सर्वेकर्ता/आब्जर्वर द्वारा सफाई से संबंधित प्रश्नों पर अपना पॉजिटिव फीड बैंक दें।
09. गूगल प्ले स्टोर से स्वच्छ ऐप (MoHUA) को अधिक से अधिक संख्या में डाउनलोड करें एवं अन्य को प्रोत्साहित करें और डाउनलोड करायें। इसी ऐप के माध्यम से सफाई एवं कूड़े से संबंधित शिकायतों को दर्ज कराया जा सकता है।

स्वच्छता ऐप डाउनलोड कैसे करें:– सर्वप्रथम स्वच्छता ऐप (MoHUA) को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें, तदोपरान्त ऐप खोलकर अपना मो०नं० डालें, संबंधित मो०नं० पर एक ओ०टी०पी० प्राप्त होगा, प्राप्त ओ०टी०पी० को ओ०टी०पी० बाक्स में डालें और ओ०के० पर क्लिक करें। अब आप पोस्ट कम्पलेंट में जाकर अपनी स्वच्छता संबंधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बस्ती

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बस्ती

राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात जवान की गोली लगने से मौत

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स के एक जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। गोली कैसे लगी यह अभी तक साफ नहीं है। सूचना पर आईजी–एसएसपी सहित पुलिस के कई आला अफसर मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। बताया जा रहा है कि जवान अंबेडकर नगर का रहने वाला था। बुधवार की सुबह–सुबह अचानक गोली चलने की आवाज से श्री राम जन्म भूमि परिसर में हड़कंप मच गया। फिलहाल कुछ भी पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा रहा। जवान की मौत की खबर पहुंचते ही उनके घर में कोहराम मच गया।

जवान का नाम शत्रुघ्न विश्वकर्मा था। उसकी उम्र 25 साल के करीब बताई जा रही है। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे साथी सुरक्षाकर्मियों ने उसे वहां खून से लथपथ हाल में देखा तो आनन–फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से घायल जवान को ट्रामा सेंअर रेफर कर दिया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवान की मौत की सूचना से राम मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया है। अयोध्या के आईजी और एसएसपी सहित पुलिस के तमाम बड़े अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी वहां बुला लिया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। कुछ मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक जवान के कुछ साथियों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से वह परेशान चल रहा था। घटना से पहले वह मोबाइल देख रहा था। पुलिस ने शत्रुघ्न के मोबाइल को भी जांच के लिए भेज दिया है।

शत्रुघ्न विश्वकर्मा को स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (एसएसएफ) में 2019 में ही नौकरी मिली थी। अंबेडकर नगर के थाना सम्मनपुर के कजपुरा गांव का रहने वाला शत्रुघ्न राम मंदिर परिसर में तैनात था।

एसएसएफ का गठन चार साल पहले योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंदिरों की सुरक्षा के लिए किया था। शत्रुघ्न की मौत की खबर मिलने के बाद से अंबेडकर नगर में उसके परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल है। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा कि शत्रुघ्न अब इस दुनिया में नहीं है।

राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात एक और जवान को तीन महीने पहले गोली लगी थी। उस मामले में जवान की अपनी गलती से गोली चल गई थी। बताया गया था कि बंदूक साप करते समय गलती से ट्रिगर दब गया था और गोली जवा को लग गई थी।

हाई सिक्योरिटी बैरक के पास मिले जमीन में डेढ़ फीट भीतर गाड़े गए मोबाइल फोन, तीन बंदी रक्षक निलंबित

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जिला कारागार के हाई सिक्योरिटी बैरक के पास जमीन के भीतर तीन मोबाइल फोन गाड़े हुए मिले हैं। इसके बाद आनन–फानन बैरक की सुरक्षा में तैनात तीन बंदी रक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। विभागीय जांच बैठाने के साथ ही फोन का उपयोग करने वाले चार बंदियों के खिलाफ कारागार अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया गया है। जिला कारागार के जेलर जितेंद्र कुमार ने दर्ज एफआईआर में बताया कि कारागार के हाई सिक्योरिटी बैरक में निरुद्ध बंदियों के सामानों की जांच की जा रही थी। इस दौरान बैरक के बाहर लगे बिजली के खंभे के सपोर्ट तार के पास मिट्टी उभरी दिखी तो उस स्थान पर खोदाई कराई गई। मौके से तीन कीपैड मोबाइल फोन और सिमकार्ड मिले, जिन्हें कब्जे में लिया गया। जांच में पता चला कि वह मोबाइल फोन हाई सिक्योरिटी बैरक में निरुद्ध सुल्तानपुर के कूरेभार थाना क्षेत्र के लोहरी धनपतगंज निवासी अंकित अग्रहरी, इनायतनगर थाना क्षेत्र के बारुन बाजार देवरिया निवासी सचिन जायसवाल, जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के साहबगंज खुर्दाबाद निवासी श्याम यादव व गौतमबुद्धनगर के सूरजपुर थाना क्षेत्र के साकीपुर निवासी अनूप भाटी उपयोग करते थे। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पांडेय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है। अयोध्या जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा का कहना है कि प्रथम दृष्टया निगरानी में लापरवाही मिलने पर बंदी रक्षक अजय शर्मा, पप्पू यादव और सुरेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। दोषी मिलने वाले हर कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या में मिली हार पर भाजपा ने शुरू किया मंथन, प्रदेश अध्यक्ष के साथ बैठकों में हो रही समीक्षा

संवाददाता–अयोध्या। नव्य और भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद भी अयोध्या की प्रतिष्ठापरक फैजाबाद लोकसभा सीट पर इस चुनाव में मिली पराजय पर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने मंथन शुरू कर दिया है। खुद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बुधवार को यहां पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक की।

इसमें जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा और संगठन के अन्य स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बूथ स्तर पर काम करने वाले पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की गई। इन सब से अलग–अलग बिंदुवार सवाल पूछे गए। इसके जवाब के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष ने हार की वजहों को तलाशने का प्रयास किया।

जाति बदल कर रजिस्ट्री कराने का आरोप, डीएम को ज्ञापन

संवाददाता–संतकबीरनगर। भारतीय किसान यूनियन भानू गुट के राष्ट्रीय महासचिव रणजीत सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सम्बोधित पांच सूत्री मांग का एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें प्रमुख रूप से अनुसूचित जाति के दर्जनों लोगों को पिछड़ी जाति बता कर उनकी भूमि को रजिस्ट्री कराने का आरोप लगाया है। जिसकी जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। माकियू भानू के राष्ट्रीय महासचिव रणजीत सिंह ने बताया कि ग्राम रसूलाबाद में एक कम्पनी द्वारा अनुसूचित जाति के श्याम सुन्दर पुत्र छब्बू, इन्द्रेश कुमार पुत्र ज्ञीनक, हरिराम, हरिश्चन्द्र पुत्रगण बिहारी, सुनील कुमार, प्रवेश पुत्र हरिलाल सहित दर्जनों लोगों का जाति बदल कर पिछड़ी जाति बना कर उनकी भूमि को रजिस्ट्री करा लिया है। जिसकी जांच कराके दोषियों पर कार्रवाई किया जाना जनहित में आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ के समय रसूलाबाद मैरुण्ड हो जाता है। इसके बावजूद कम्पनी द्वारा कुछ काश्तकारों की भूमि पर चारो ओर से चाहर दीवारी बनाया जा रहा है। जिससे बरसात के मौसम में पूरा रसूलाबाद को डूबने से रोका नहीं जा सकता है। इसे लेकर गांव के लोगों में भय है। उन्होंने आगे कहा कि ग्राम बयारा में सरकारी टयूबवेल की स्थापना हुए चार महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक कुलावा का निर्माण नहीं होने से धान की रोपाई बाधित होने की आशंका बलवती हो रही है। इसके अलावा किसानों को मिलने वाले सम्मान निधि से वंचित होने किसान का अंगूठा नहीं लगने की दशा में फेश आइडेंटिटी की व्यवस्था कराया जाए। राशन कार्ड में नाम न होने से खाद्यान्न से वंचित लोगों का राशनकार्ड में नाम जोड़ते हुए नये कार्डो को डिजिटल किया जाए। उक्त सभी मांगे दो जुलाई से पहले निस्तारित नहीं हुई तो आगामी 2 जुलाई को बृहद आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

मिल्कीपुर की बैठक करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष सर्किट हाउस आएंगे। यहां पर लंच करने के बाद बीकापुर विधानसभा क्षेत्र की बैठक सहादतगंज स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर करेंगे। यहीं से वे फिर सर्किट हाउस जाएंगे और शाम पांच बजे अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी आज यहीं पर रात्रि विश्राम करेंगे। बृहस्पतिवार को रुदौली और दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र की बैठक होगी।

फैजाबाद लोकसभा सीट में अयोध्या के चार विधानसभा क्षेत्र बीकापुर, मिल्कीपुर, रुदौली और अयोध्या शामिल हैं। जबकि दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र पडोसी जिले बाराबंकी का हिस्सा है। मिल्कीपुर में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के अलावा भाजपा के अवध क्षेत्र के प्रभारी कमलेश मिश्र, ब्रज क्षेत्र के प्रभारी दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

सांसद ने मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता–गोरखपुर। मेडिकल मोबाइल वैन को बुधवार को सांसद रवि किशन ने तारामंडल स्थित अपने आवास से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एमएसडी फार्मा के इस मोबाइल अस्पताल को स्माइल फाउंडेशन संचालित करेगा। यह मोबाइल अस्पताल जिले के ब्लाकों पर जाएगी। लोगों की 10 से अधिक जांचों को निःशुल्क करेगी। सांसद रवि किशन शुक्ला ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस मोबाइल अस्पताल जांच के साथ ही साथ निःशुल्क दवाएं भी लोगों को दी जाएगी। इसमें डॉक्टर, एएनएम, हेल्थ ऑफिसर और सुपरवाइजर मौजूद रहेंगे। मोबाइल वैन में बीपी, शुगर, एनीमिया, मलेरिया जैसी दस से अधिक जांचें पूरी तरह से निःशुल्क की जाएंगी। यह ब्लॉकों पर घूम–घूम कर लोगों की जांच करेगी। साथ ही साथ अगर किसी को बड़ी समस्या रहेगी तो उनको बड़े अस्पताल पर जाकर इलाज कराने का सुझाव भी देगी।

मटन खाने से मां ने मना किया तो बेटे ने सिर पर कुल्हाड़ी से मारा

संवाददाता–गोरखपुर। एस क्षेत्र के सोनबरसा बाजार में मंगलवार की देर एक मां ने पुत्र को मीट खाने से मना किया तो गुस्साए पुत्र ने कुल्हाड़ी से अपनी मां के सिर पर प्रहार कर दिया। गम्भीर रुप से घायल मां को पुलिस ने जिला अस्पताल भिजवाया हालत गम्भीर होने पर डाक्टरों ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत मे लेकर पूछताछ कर रही है। सोनबरसा बाजार निवासी अमित उर्फ झबलू पाण्डेय पुत्र सुधीर पाण्डेय मंगलवार की रात मे उनकी पत्नी से मीट खाने को लेकर कहासुनी हो रही थी। तभी उनकी पत्नी कमरे के अन्दर जाकर दरवाजा बन्द कर लिया। उनकी मां बैजन्ती देवी (55) उनके पास आकर समझाने लगी। मां ने कहा कि पड़ोदारी मे किसी की मौत हो गई है। छुतिका है और आज मंगलवार है, मीट नही खाना चाहिए। इस बात पर गुस्साए कलयुगी पुत्र ने कुल्हाड़ी से मां के सिर पर प्रहार कर दिया जिससे उनकी मां गम्भीर रुप से घायल हो गई।

देसी शराब की दुकान पर मिला मजदूर का शव

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के शत्रुघनपुर भरतपुर गांव की सीमा पर बुधवार की सुबह एक मजदूर का शव देसी शराब भट्ठी के पास मिला है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से सीएचसी भिजवाया। सीएचसी के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मजदूर की पहचान शत्रुघनपुर विष्णु शर्मा (35) पुत्र राजकुमार शर्मा के रूप में हुई। भरतपुर ग्राम प्रधान सुनील कुमार का कहना है कि यहां पर शराब की दुकान सुबह से ही खुल जाती है। ऐसे में लोग वहां पर भीड़ लगाते हैं और सुबह से ही शराबियों का जमावड़ा हो जाता है।

भीषण गर्मी में शराब का सेवन मौत को दावत दे रहा है। इससे पूर्व भीवापार में अत्यधिक मात्रा में शराब पीने से जयपुर निवासी राममिलन की मौत हो गई और जोधपुर निवासी धर्मेंद्र बाल बाल बच गया। इस घटना के बावजूद भी लोग सबक नही ले रहे और मौत को गले लगा रहे है।

550 लीटर अवैध शराब बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। कच्ची शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान में आबकारी निरीक्षक की जिले स्तरीय टीम ने ड्रोन के माध्यम से राजघाट क्षेत्र के अमुरतानी में छापेमारी की। तलाशी में कुल 550 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी। मौके से ही 2000 किलो लहन भी नष्ट करते हुए एक दर्जन से ज्यादा भट्ठियों को भी तोड़ गया। इस कार्रवाई में आबकारी की टीम ने तीन लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया है।

पति ने डंडे से पीटकर पत्नी की कर दी हत्या, फरार

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार के जंगल सिकरी में बुधवार की सुबह एक युवक ने अपनी 25 वर्षीय पत्नी की डंडे से पीट कर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि पति–पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ उसके बाद पति ने पत्नी के सिर पर डंडे से प्रहार कर दिया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। जंगलसिकरी निवासी गुलाब का किसी बात को लेकर अपनी पत्नी से विवाद हुआ और उसने पत्नी नेहा (25) की डंडे से पीट कर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची खोराबार पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। खोराबार थानेदार नितिन श्रीवास्तव ने बताया कि पति गुलाब यादव घर से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

दिल्ली की साइबर टीम का पिपराइच में छापा

संवाददाता–गोरखपुर। साइबर क्राइम सेल दिल्ली की टीम द्वारा पिपराइच से भोर में क्षेत्र के सिंघावल , हरखापुर आदि गांव के तीन आरोपियों को अपने साथ ले जाने की सूचना है। आरोप है कि मोबाइल व बैंक के द्वारा किसी जज के खाते से करीब चार लाख रुपए निकाल लिए गए हैं। पिपराइच से अचानक दिल्ली की टीम आने और युवकों को साथ ले जाने की चर्चा गांव में फैल गई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत रेहार जंगल वि0ख0- सल्टौआ गोपालपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20–06 2024 से 27–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 28–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइट, आगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(रामगनेश चौधरी) ग्राम प्रधान (तनवीर अशरफ) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /19.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत मुरादपुर वि0ख0- सल्टौआ गोपालपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20–06 2024 से 26–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 27–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइट, आगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(सूर्यनाथ) ग्राम प्रधान (तनवीर अशरफ) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /19.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लेने जिले में पहुंची एनडीआरएफ टीम

संवाददाता–संतकबीरनगर। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोग बाढ़ के दौरान सतर्कता और बचाव के लिए प्रशिक्षित किए जाएंगे। इसके अलावा आपदा के समय में किस तरह से प्रशासन और संबंधित टीमें कार्य करेंगी इसका पूरा सर्वे होगा। सर्वे के लिए एनडीआरएफ वाराणसी की टीम जिले में पहुंच गई। यह टीम 27 जून तक जिले में रहेगी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेगी। एडीएम जय प्रकाश ने बताया कि बाढ़ के समय किस तरह की दुश्वारियां आ सकती हैं और उससे बचाव के लिए किस तरह के कदम समय से उठाए जाएं, इसके लिए एनडीआरएफ की टीम जिले में आई है। बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के एक–एक प्वाइंट का सर्वे टीम के द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इसके लिए प्रशिक्षित भी किया जाएगा। जिससे बाढ़ के दौरान वे खुद भी जरूरी सर्तकता बरत सकें। उन्होंने कहा कि जनपद में आई एनडीआरएफ की टीम पहले घनघटा तहसील के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लेगी। संबंधित तहसील के जिम्मेदारों को उनके साथ लगाया गया है। इसके अलावा जनपद के आपदा विशेषज्ञ भी टीम के साथ रहेंगे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अजय सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रताप नरायन सिंह ग्राम–सर्रया अतिबल थाना–दुबौलिया जनपद बस्ती का निवासी हूं। पहले मेरे पुत्र का नाम सिंह आयुष अजय सिंह था, इसे बदलकर तेजस प्रताप सिंह कर दिया गया है। अब उसे तेजस प्रताप सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाय। उसकी उम्र 17 वर्ष है।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी रियाज अहमद पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद रफीक ग्राम–भुसुडी उर्फ रायनगर पोस्ट–हनुमानगंज थाना रूधौली जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे सगे भाई फैय्याज अहमद पता उपरोक्त ने कूट रचनाकर कर अपने पुत्र नियाज अहमद के पिता के कालम में नियाज अहमद के पिता के रूप में मेरा नाम रियाज अहमद अपने शैक्षणिक प्रमाण–पत्र में अंकित करा दिया है जो अवैध है। नियाज अहमद के द्वारा किसी भी प्रकार के लेन देन, खरीद बिकी आदि से प्रार्थी का कोई सम्बन्ध नहीं है। उसके प्रमाण–पत्रों से मेरा नाम हटवाया जाय । मैं अपने चल व अचल सम्पत्ति से नियाज अहमद को बेदखल करता हूं। अपने किसी भी प्रकार के कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बस्ती

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

पत्रांक : 1345/4ए दिनांक–12.06.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में भवन कार्य हेतु पंजीकृत श्रेणी– "ए बी, सी एवं डी के पात्र ठेकेदारों से प्रतिष्ठत दरों में अधोलिखित कार्यों हेतु बिड़स आनलाइन आमंत्रित की जाती है। बिडर्स किसी भी कार्य हेतु बिड़स प्रस्तुत कर सकते है। बिडर्स को सलाह दी जाती है कि कार्य की निविदा के एवार्ड के न्यूनतम अर्हता हेतु बिडर्स को निर्देशों के अनुच्छेद 4 में अंकित अर्हता की शर्तों को नोट कर ले।

2–

क0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
1	Basti	कृषि विज्ञान केन्द्र बंजरिया–बस्ती में मशरुम उत्पादन हेतु एक प्रशिक्षण एवं उत्पादन इकाई केन्द्र की स्थापना का कार्य।	17.00	1.70	(स्टेशनरी चार्जेज+ निविदा मूल्य + जीएसटी) रू0 300+500+144= 944.00	04 माह

2– प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3– प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online Account ds Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 21.06.2024 से 29.06.2024 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा तथा तकनीकी बिड दिनांक 29.06.2024 को 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी विड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

संख्या उ0प्र0 206265 दिनांक 18/06/2024

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(अवधेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com